No. of Printed Pages : 8

EEC-07

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

Term-End Examination

June, 2015

04838

ELECTIVE COURSE : ECONOMICS

EEC-07 : INDUSTRIAL DEVELOPMENT IN INDIA

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt questions from each section as per instructions.*

SECTION A

*Answer any **two** questions from this section in about 500 words each.* *2×20=40*

1. Describe the major objectives of cooperative sector in India. Why could this sector not impact the Indian economy significantly ?

2. Critically analyse the industrial growth in India during post-reforms period.

3. How does foreign trade help in rapid industrialisation of an economy ? Examine the linkage between domestic trade and industrialisation.

4. Why do workers stop production by calling 'strikes' and employers close their factories temporarily by declaring 'lockouts' ? Discuss the trends in 'strikes' and 'lockouts' in India.

SECTION B

*Answer any **four** questions from this section in about 250 words each.* *4×12=48*

5. Discuss in brief distinguished characteristics of Cotton Mill Industry in India before Independence.

6. Distinguish between input-based and use-based classification of industries in India.

7. Distinguish between shares and debentures. What are the different kinds of debentures ? Explain.

8. Discuss in brief the need to protect small scale industries in the present-day times in emerging economies like India.

9. Discuss in brief advantages and disadvantages of privatisation in India. Also evaluate its progress in India.

10. Explain in brief the marginalist approach to pricing behaviour of a profit maximizing firm.

SECTION C

11. Write short notes on any ***two*** of the following in about 100 words each : *2×6=12*

    (a) Agglomerative and deglomerative factors of location

    (b) Role of commercial banks in the Indian economy

    (c) Role of Life Insurance Corporation of India (LIC) in India's industrialisation

    (d) Role of technical factors in achieving economies of scale

ई.ई.सी.-07

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : अर्थशास्त्र

ई.ई.सी.-07 : भारत में औद्योगिक विकास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रत्येक खण्ड से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

खण्ड क

*इस खण्ड से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।* *2×20=40*

1. भारत में सहकारी क्षेत्र के प्रमुख उद्देश्यों का वर्णन कीजिए । यह क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रभावपूर्ण क्यों नहीं बन पाया ?

2. सुधार-उपरांत अवधि में भारत में औद्योगिक विकास का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए ।

3. एक अर्थव्यवस्था में तेज गति से औद्योगीकरण में विदेशी व्यापार की क्या भूमिका है ? घरेलू व्यापार एवं औद्योगीकरण के बीच सम्बन्धों की समीक्षा कीजिए ।

4. श्रमिक 'हड़ताल' द्वारा एवं उपक्रमी 'तालाबंदी' द्वारा अस्थायी ढंग से उत्पादन का काम करना बंद क्यों कर देते हैं ? भारत में 'हड़ताल' एवं 'तालाबंदी' की प्रवृत्तियों की चर्चा कीजिए ।

खण्ड ख

इस खण्ड से किन्हीं **चार** *प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।* *4×12=48*

5. स्वतंत्रता-पूर्व भारत में सूती कपड़ा उद्योग की विशिष्ट विशेषताओं की संक्षेप में चर्चा कीजिए ।

6. भारत में आगत-आधारित एवं उपयोग-आधारित उद्योगों के वर्गीकरण की प्रणालियों में भेद कीजिए ।

7. अंश पूँजी एवं ऋणपत्रों में भेद कीजिए । ऋणपत्रों के विभिन्न स्वरूप क्या हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

8. वर्तमान में भारत जैसे उदयमान राष्ट्रों में लघु-उद्योगों के संरक्षण की नीति की आवश्यकता की संक्षेप में चर्चा कीजिए ।

9. भारत में निजीकरण के गुणों एवं अवगुणों की संक्षेप में चर्चा कीजिए । भारत में इनकी प्रगति का मूल्यांकन भी कीजिए ।

10. लाभ अधिकतम करने वाली फर्म के कीमत-निर्धारण व्यवहार में सीमांत विचारधारा की संक्षेप में व्याख्या कीजिए ।

खण्ड ग

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए : *2×6=12*

(अ) अवस्थिति में 'जोड़ने वाले' एवं 'तोड़ने वाले' कारक

(ब) भारतीय अर्थव्यवस्था में वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका

(स) भारत के औद्योगीकरण में भारतीय जीवन बीमा निगम की भूमिका

(द) पैमाने की मितव्ययिताओं में तकनीकी कारकों की भूमिका